भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 73
गुरुवार, 20 जुलाई, 2023/29 आषाढ़, 1945 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों की संख्या में वृद्धि

73. श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:
श्री सुधीर गुप्ता:
श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:
श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:
श्री प्रतापराव जाधव:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या वर्ष 2022 की प्रथम तिमाही की तुलना में वर्ष 2023 की प्रथम तिमाही के दौरान अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों का प्रवाह लगभग दोगुना हो गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय हवाई यात्रा में वृद्धि के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या निर्धारित घरेलू विमान कंपनियों की बाजार हिस्सेदारी में भी वृद्धि हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) सरकार द्वारा देश में विमानन उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों को आकर्षित करने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ङ) उक्त अवधि के दौरान अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों की संख्या में हुई प्रतिशत वृद्धि का ब्यौरा क्या है; और

(च) सरकार द्वारा हवाई किरायों को कम करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (जनरल (डा.) विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त))

(क) से (ङ): उपलब्ध अनंतिम आंकड़ों के अनुसार, 2023 की पहली तिमाही में अनुसूचित अंतरराष्ट्रीय परिचालन के लिए अनुसूचित भारतीय और विदेशी वाहकों द्वारा यात्रा कराए गए यात्रियों की संख्या में, 2022 की पहली तिमाही के यात्री आंकड़ों की तुलना में लगभग 88% की वृद्धि देखी गई है।
कोविड-19 के कारण अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की संख्या पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। तथापि, 27.03.2022 से अनुसूचित अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक यात्री परिचालन पुनः शुरू होने के बाद हवाई यात्रियों की संख्या में वृद्धि के कारण स्थिति में सुधार हुआ है।

उपलब्ध अनंतिम आंकड़ों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए अनुसूचित घरेलू एयरलाइनों की बाजार हिस्सेदारी में वृद्धि नहीं देखी गई है।
घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों को आकर्षित करने और देश में विमानन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित कदम उठाए हैं:

(i) घरेलू क्षेत्र में क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ाने के लिए मंत्रालय, उड़ान योजना संचालित करता है।

(ii) अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में, भारत के 18 पर्यटन स्थलों को सार्क (अफगानिस्तान और पाकिस्तान को छोड़कर) और आसियान देशों के लिए उपलब्ध कराए गए हैं, जहां से/के लिए, भारत के नामित वाहक और साथ ही सार्क और आसियान देशों के नामित वाहक, असीमित प्रचालन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय नागर विमानन नीति, 2016 के अनुसार, सरकार ने पारस्परिक आधार पर, सार्क देशों और दिल्ली से 5000 किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित देशों को नियंत्रणमुक्त विमान प्रचालन व्यवस्था की पेशकश की है। आज की तिथि के अनुसार, भारत की 23 देशों के साथ नियंत्रणमुक्त विमान प्रचालन व्यवस्था है, जिससे भारत और इन देशों के बीच असीमित प्रचालनों को सुकर बनाया है।

(च) विमान किराया बाजार चालित है और इसे न तो सरकार द्वारा विनियमित किया जाता है न ही निर्धारित किया जाता है। हवाई किराए का निर्धारण, बाजार ताकतों की परस्पर क्रिया के आधार पर एयरलाइनों द्वारा किया जाता है। किसी भी मार्ग पर किराया अन्य बातों के साथ-साथ मौसम, छुट्टियों और त्योहारों, विमानन टरबाइन ईंधन की लागत, प्रतिस्पर्धा और अन्य समान कारकों पर निर्भर करता है।

****